

प्रेषक,

किशन नाथ,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

श्रम आयुक्त,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

श्रम अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 12 सितम्बर, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्यय के आयोजनागत मदों में प्राविधानित धनराशि स्वीकृत किये जाने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1153/बजट-15/मुख्यालय/11, दिनांक 03 मई, 2011 एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 के क्रम में एवं वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु ब्यौरेवार अनुमान में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष श्रम विभाग के अन्तर्गत अनुदान संख्या-16 में संलग्न-विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में कुल रू० 22,00,000.00 (रू० बाईस लाख मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3. स्वीकृत धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। यह धनराशि उन्हीं मदों/परियोजनाओं में व्यय की जायेगी, जिसके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रहा है। व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी उचित होगी।

4. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

5. कार्य करते समय टेण्डर आदि विषयों का भी अनुपालन किया जाएगा।

6. स्वीकृत की जा रही धनराशि दिनांक 31.03.2012 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाए।

7. व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

8. कार्य करते समय प्रौक्वोरमेंट नियमावली-2008 एवं वित्तीय हस्त-पुस्तिका, बजट मैनुअल स्टोर परचेज एवं मितव्ययिता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन किया जाएगा।



2

-2-

9. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु अनुदान संख्या-16 के लेखाशीर्षक 2230 के नामें डाला जायेगा।

10. उक्त आदेश वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन के यू.ओ. संख्या: 87P/XXVII(5)/2011 दिनांक 08 सितम्बर, 2011 द्वारा उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

संलग्न : यथोपरि।

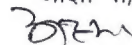

भवदीय,

(किशन नाथ)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या: 922 (1)/VIII/11-28(श्रम)/2010, तददिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तराखण्ड।
3. एनआईसी, सचिवालय।
4. नियोजन विभाग।
5. वित्त अनुभाग-5।
6. गार्ड फाइल।



आज्ञा से,

(अहमद अली)
अनु सचिव


शासनादेश संख्या: १२२ (1)/VIII/11-28(श्रम)/2010, दिनांक: 13 सितम्बर, 2011 का संलग्नक:-

अनुदान संख्या: 16

धनराशि रूपये हजार में

(I) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार

01-श्रम

103-सामान्य श्रम कल्याण

06-बाल श्रमिकों का चिन्हीकरण/पुर्नवास (50%)

आयोजनागत पक्ष

क्र.स.	मानक मद संख्या का नाम	वर्ष 2011-12 में प्राविधानित धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	42-अन्य व्यय	200	200
	योग:-	200	200

(II) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार

01-श्रम

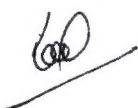
103-सामान्य श्रम कल्याण

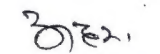
07-श्रम विभाग के प्रवर्तन का विकेन्द्रीकरण एवं सुदृढीकरण

आयोजनागत पक्ष

क्र.स.	मानक मद संख्या का नाम	वर्ष 2011-12 में प्राविधानित धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	42-अन्य व्यय	2000	2000
	योग:-	2000	2000

कुल योग:- रु. 22,00,000/- (कुल रु. बाईस लाख मात्र)




(अहमद अली)
अनु सचिव
